किसानों की आय दोगुनी करने में मिरेकल मिलेट्स की क्षमता

कृषि कुंभ (जुन, 2023),
खण्ड 03 भाग 01, पृष्ठ संख्या 52–53

किसानों की आय दोगुनी करने में मिरेकल मिलेट्स की क्षमता

मुस्कान पोरवाल[1], बादल वर्मा[2] एवं महिमा दीक्षित[3]

[1,2]पीएचडी शोधार्थी,
जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्व विद्यालय, जबलपुर, (म. प्र.)
[3]पीएचडी शोधार्थी,
सरदार वल्लभभाई पटेल यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी, मेरठ, (उ. प्र), भारत।

Email Id:muskanporwal363@gmail.com

भारतीय कृषि एक विस्तारशील क्षेत्र है जहां किसानों का महत्वाकांक्षी सपना होता है कि उनकी आय दोगुनी हो जाए। इस सपने को प्राप्त करने के लिए, भारतीय कृषि व्यवसाय में एक नई क्रांति की जरूरत है, और इसमें मिलेट्स का विशेष महत्व है। मिलेट्स एक पौष्टिक अनाज हैं जिनमें बहुत सारे पोषक तत्वों की अच्छी मात्रा होती है। इनकी खेती में पोषक तत्वों की अच्छी मात्रा होने के साथ–साथ, मिलेट्स की खेती का खर्च भी कम होता है और उन्हें पानी और उर्वरक की कम मात्रा की जरूरत होती है। मिलेट्स की खेती करके किसान अपनी आय में वृद्धि कर सकते हैं। मिलेट्स का उत्पादन सरल होने के साथ–साथ उचित बाजार वाणिज्यिक मूल्य प्राप्त करने का मौका भी प्रदान करता है। इनकी मांग विश्वभर में बढ़ रही है, क्योंकि लोग स्वस्थ और पौष्टिक आहार के प्रति अधिक संवेदनशील हो रहे हैं। उच्च पारिस्थितिक और जलवायु महत्व को देखते हुए और उनकी खेती को बढ़ावा देने के लिए 2023 के वर्ष को मिलेट्स के अंतर्राष्ट्रीय वर्ष के रूप में मान्यता दी गई है। सरकारी सहायता और उचित मार्गदर्शन के साथ, मिलेट्स की खेती आय को दोगुना करने के लिए एक वाणिज्यिक और आर्थिक विकल्प के रूप में साबित हो सकती है।

मिलेट्स के विभिन्न प्रकारों की क्षमताः आय में वृद्धि करने की संभावनायें

1. **ज्वार**: ज्वार एक प्रमुख मिलेट है जो खेती के लिए बहुत उपयुक्त है। यह कम आय में भी खेती की जा सकती है और मिट्टी की कम गर्मी और पानी की कम मांग के लिए उपयुक्त होती है। ज्वार का उत्पादन बड़े पैमाने पर होता है और उचित बाजार मूल्य प्राप्त किया जा सकता है। ज्वार की बाली और चारा बनाने के लिए भी उपयोग होती है जिससे अतिरिक्त आय की संभावना होती है।
2. **बाजरा**: बाजरा भी एक प्रमुख मिलेट है जिसका उत्पादन करके किसान अपनी आय को बढ़ा सकते हैं। यह खेती के लिए उचित मानसिकता और प्राकृतिक संसाधनों की कम मांग के साथ उपयुक्त है। बाजरे का उत्पादन सामान्यतः सुखी और कठोर मौसम की स्थितियों में भी संभव होता है, जो किसानों के लिए उचित होता है। इसके साथ ही, बाजरा मिट्टी की उर्वरा को सुखाने की क्षमता रखता है जिससे मिट्टी की गर्मी कम होती है और इससे फसल की उत्पादकता में वृद्धि होती है।
3. **रागी**: रागी एक पौष्टिक और सुपोषणशील मिलेट है जिसका उत्पादन करके किसान अपनी आय को बढ़ा सकते हैं। यह खेती के लिए कम पानी की आवश्यकता रखती है और इसकी पौष्टिकता भी बहुत अधिक होती है। रागी का उपयोग अन्न, रोटी, डोसा और अन्य बनावटें बनाने के लिए किया जाता है जिससे इसकी मांग बाजार में बढ़ रही है।

4. **कोदो:** कोदो एक प्रमुख मिलेट है जिसमें उच्च मात्रा में प्रोटीन, फाइबर, विटामिन और खनिज पाए जाते हैं। इसका उपयोग पोषणशील अन्न, डोसा, इडली, पुलाव, खीर और अन्य पकवानों में किया जाता है। कोदो मिलेट एक छोटी अवधि में पकने वाली फसल है और कम पानी की आवश्यकता होती है। कोदो की खेती करने से किसान अधिक मार्गदर्शन, बाजार संपर्क और उचित मूल्य प्राप्त करने का अवसर प्राप्त कर सकते हैं।
5. **कुतकी:** कुतकी छोटे आकार और उच्च पोषक गुणों के लिए प्रसिद्ध है। इसमें प्रोटीन, फाइबर, खनिज और विटामिन की अच्छी मात्रा होती है। कुतकी का उपयोग रोटी, पुलाव, उपमा, खीर और अन्य व्यंजनों के लिए किया जाता है। इसकी खेती करने से किसानों को आय का अच्छा स्रोत मिलता है और उन्हें स्वास्थ्यपूर्ण खाद्य सामग्री की मांग पूरी करने का अवसर मिलता है। कुतकी मिलेट बहुत कम समय और उपजाऊ जमीन की आवश्यकता रखता है। यह सड़ने, कीटों और बीमारियों के प्रति प्रतिरोधी होता है और रोगों के प्रति प्रतिरक्षा प्रणाली को सुदृढ़ करता है।
6. **चीना:** चीना एक औषधीय मिलेट है जिसमें उच्च पोषक मात्रा में प्रोटीन, फाइबर, विटामिन और खनिज शामिल होते हैं। इसका उपयोग रोटी, पूरी, खीर, खिचड़ी और अन्य पकवानों में किया जाता है। चीना की खेती करने से किसान अधिक आय कमा सकते हैं और स्वास्थ्यकर खाद्य सामग्री की मांग को पूरा कर सकते हैं। यह तापमान और जलवायु की मांगों को पूरा करने में सक्षम होता है और अन्यान्य मिलेट्स की तुलना में कम समय में पकने वाली फसल है।
7. **सावन:** सावन मिलेट विटामिन, खनिज और पोषक तत्वों से भरपूर होता है। सावन मिलेट को उचित पानी सप्लाई की आवश्यकता होती है और यह सूखे क्षेत्रों में भी अच्छी तरह से उगाई जा सकती है। यह रोगों, कीटों और बीमारियों के प्रति प्रतिरोधी होता है और मिट्टी की उर्वरता को सुदृढ़ करता है। यह खेती के लिए आदर्श है क्योंकि इसके लिए कम पानी की आवश्यकता होती है और यह सड़ने, बीमारियों और कीटों के प्रति प्रतिरोधी होता है। सावन का उपयोग रोटी, पुलाव, उपमा, पोहा और अन्य व्यंजनों के लिए किया जाता है। सावन मिलेट की खेती करने से किसान अच्छी आय कमा सकते हैं और स्वास्थ्यकर खाद्य सामग्री की मांग को पूरा कर सकते हैं।
8. **कंगनी/कोरल:** यह अन्यान्य मिलेट्स की तुलना में ज्यादा पौष्टिकता और फाइबर से भरपूर होता है। इसमें उच्च मात्रा में प्रोटीन, विटामिन, खनिज और एंटिऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण होते हैं। फॉक्सटेल मिलेट एक अत्यंत सतत और प्रतिरोधी फसल होती है, जो कीटों, रोगों और पानी की कमी के साथ भी अच्छे रूप से संपन्न होती है। यह फसल बहुत कम देखभाल और उपयोग के लिए उचित मूल्य प्राप्त करने का अवसर प्रदान करती है।

इन सभी मिलेट्स की खेती करने से किसान अपनी आय में वृद्धि कर सकते हैं और स्वास्थ्यवर्धक खाद्य सामग्री की मांग को पूरा कर सकते हैं। इसके अलावा, इन मिलेट्स की खेती प्रकृतिक और सतत खेती प्रणाली को प्रोत्साहित करती है, कम पानी की आवश्यकता होती है और कीटों और बीमारियों से प्रतिरोधी होती है। इसलिए, किसानों को ज्वार, बाजरा, रागी, कोदो, कुतकी, चीना, सावन और कंगनी जैसे मिलेट्स की खेती करके अपनी आय में वृद्धि करने का अवसर मिलता है और साथ ही स्वस्थ्यवर्धक और पौष्टिक खाद्य सामग्री की मांग को पूरा करने में मदद मिलती है। सरकार द्वारा मिलेट्स के उत्पादन और प्रचार को बढ़ावा देने के माध्यम से, किसानों की आय को दोगुना करने का संभावनायें माध्यम से सकारात्मक परिणाम हो सकते हैं।